तुबारी महने महने पत्री

# तुबारि

रू. 5/-

www.pangi.in
अब अंग्रेजी, हिन्दी त पंगवाड़ी भाषा अन्तर असी।

ISSUE 90; OCT. 2019

बिषय सूची


| | |
|---|---|
| केहु के कथा। | 1 |
| फलफलान्ती | 2 |
| तुं जिभुड़ मुशाण धरो त नेई | 3 |
| सेकुल | 4 |
| लखे टके बोक | 4 |
| चुटकुले | 4 |




# खास दन

15 अक्तुबरे 9ऐ फुल्याट असी।
16 अक्तुबरे 10 दषे फुल्याट असी।
17 अक्तुबरे 11 फुल्याट असी त करवा चौथ
18 अक्तुबरे हुणे माली बी भुंती।
24 अक्तुबरे तिएस दिएणी असी।



धाणि त तसे जुएली केआं अब सते बंटी अठ फेरे लवाण चाहिए। सत फेरे तेके व्याहे, आठु जे फेरा असा, से कुई जे लवाण चहिए कि से कुई बचान्ते त तेस पढ़ान्ते ।

# केहु के यूद्दे कथा

ई बोक तेस टेमी भो जेखेई हें हुनाण केहु थिए। गनारी भुटोरी यक भोट हें हुनाण धार अपु चुरी चारण जे आ त से हुनाण भटोरी बषा। त तेसे यक भोटली जोई लाच बनी गा त से पांच छया महेन हुनाणे रेही गा। पता यक रोज तेस अपु गिहे चेता ऐण लगा त से अपु चुरी हेरण लगा। तेसे 6 चुर थी। तेन्ही बुचा यक चुरी नेओथ जे कि सुआ दुध देन्तीथ। तेन हुनेणु जे गिऐ दिती त अपु गी जे नाष गा। त तेन गी अपु जुएली जे बोलू तेन्ही हुनेणू में यक चुरी छापी नियो असी। तु खाणे चाणां त अंउ राए फोज धामी एन्ता। तेसे जुएली से समझा पर तेनी ना मानी। से बड़ा भारी बदमाष थिया। तेन अपु जुएली यक न षुणी। तेस कियां पता से राए राजे के गा त तेन तेस जे बोलू से तियारी गा त से तेठीया नाठे त जेखेई से रंथ बठ जे पुजे त केहु पता लगा। से उडीर कइ भटोरी पुजे त तेन्ही टेषी जे हक दिती। बोलू कि राए फोज त कुन जंघाल जे एई गओ असी। हउ बी उंगी बषता ना हुनेणू खड़ेरीं दे त से नाठ। त से सोभी हुनेणू खड़ेरता। तेस टेम हुनाण कुणयु पहाण कियां त कवास हिंगरवाषी मुहुरी तकर सोभ जे ऐ त तेन्ही हेरू कि भेरनी पाधर भारी राऐ फोज थी।

तोउं केहु बोलू कि अगर ए बज गे त अस जीत घेन्ते, अगर ना बजे त अस हारी घेन्ते। केहु यक ढेढुण मंगणट लेहु भारु दे दता उडार तेन पुठे कियां लेहुए बइ से भरे त राए राजे मगर टुटका दे। केहु यके दुती दे राजे मगर बठ कानी बाई तेसे मगर कियां ये कान जाई धरती अन्तर घेई गई। त तोउं तेन्के सोब सेना बी मारी। त तेस किंया बाद बोले कि टेषीये 12 बीयो हुनाण केनी ना भेनीन्तु

केहु यक टेम करेस कियां कानी बही त बही त टमनु कुण यक गगर बीनी त तेटीया टकोस लोबी बट तेस किंया पता टुनुरु चोउर तेन्ही तेटी केहु के जाक थिया। तेन्ही अपु ताणवारी टघेए फाट डुबाई छेई। आज तकर बी से तेठी केती मेहणु बोते कि तेन्ही अपु गभुरु बी अपु ई उठरणे बाणे बणा लाओ थिए। तेन्ही अपु गभुरु के धे उडरणे मत्र त दिते। पर पोउणे मंत्र देण भुल गे। यक रोज बस्ते टेम बोते से दुओ गभुरु बग जान देण जे लंघे दे। से नठे तेन्ही दुओई तिहाणे लहाणे जंघाली किंया उडार दिता दे से जां त कोटी नाठे उडीरी कइ पता तेन्ही याद आई की गभूरु को गे। तेन्ही याद आई की तेन्ही अपु गभुरु उडरणे मत्र त दुतो असे, पर पोउणे मत्र नेई दुतो। तिखेई तेन्ही मंत्री कइ अपु गभुरु भीं कणे त से मारो थिए। से दुहो रोलण लगे कि असी की करी छउ, हें बोली अंपु गभुरु मरी गे।

लेखकः— विनोद कुमार

**तुसी सोभी में कनारा त पूरी तुबारि टीमे कनारा दिवाली त फुल्याटी के लाख लाख बधे। मस्त रिहे त मोजमस्ती जोई अपु जीदंगी जीण दिए।**

# फलफलान्ती

राजा विक्रमादित्य लाश कन्हे पुठ कर कइ राजधानी कना जे घेई गा। लाश अन्तर बिशो बेताले बोलु, "विक्रम! अभेईं सुआ रात असी। तें कम जरुर भुन्तु। अउं पीठ पुट तकर तोउ जोई साते जरुर घेन्ता, पर राति टेम इस जंगल अन्तर हरेक किस्मी राज खुलते। इस बझई जुओई अउं घड़ी घड़ी पीठ बठ जे नश ऐन्ता ताकि प्रकृति इन्हि राजी तोउ बताई सकूं।" पर राजा विक्रमादित्य तसे बोकी पुठ कोई ध्यान न दता त चुपचाप हंठता रिहा। तोउं बेताले बोलु, "अच्छा शुण, विक्रम! अउं बथ न बिझणे लिए तोउ यक होरी कथा शुणांता। खरे ध्यान जुओई शुण।" तढ़िया पता बेताले अपु कथा इ शुरु की।

स्वणे देशे राजा गुणशेखर अपु मन्त्री बोकी पुठ खरा ध्यान देन्ताथ। मन्त्री जैन धरमे थिया। तोउं तेन अपु राजे बि जैन धरमे शिक्षा देण शुरु कइ छो थी। तेन राजे जे बोलु, "राजन, धरमे कताब अन्तर लिखो असु कि पापे बइ भरिए इस मतोक अन्तर इन्सान जन्म मरण केआं छूटी न सकता। तोउं त हरेक मेहणु धरती पुठ जन्म नेण केआं पता होरी के मदत करीण चाहिए। किछ धरमे कम करण चाहिए। यक टींझि केआं त हाथी तकर सोबी जीवी के रक्षा करीण चाहिए।" राजे, मन्त्री बोक मनी कइ हरेक कम करण शुरु कइ छड़े त तेन्हि कमि कते कुते यक रोज से इस मतोक केआं घेई गा।

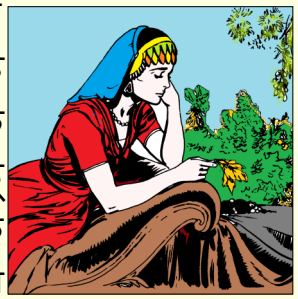

तेस मरण केआं पता तसे कुआ राजकुमार धरमध्वज राजा बणा। तेन से मन्त्री देश केआं बहरी किढ़ छड़ा। तढ़िया पता झठ राज कुमार जे यक ईं राज कुमारी ब्याहे पुछण जे आए, जे अब्बल थी, पर साते साते सुआ नाजूक बि थी। अती नाजूक कि गुलाबे फियुड़ु बि अगर तसे जिसम जुओई कोठि लग घेन्तु त तेस जगाई केआं लहू नसण लग घेन्तुथ। जोसणी रात बि अगर से बहरी निस घेन्तीथ त तसे जिसम पुठ रोशनी बेलिए अहरुण निस घेन्तीथ। तोउं बि धरमेध्वजे से रिश्ता मन्जूर कइ छड़ा त तसे ब्याह तेस नाजूक राजकुमारी जुओई भोई गा।

राजकुमारी नाजूक भुणे चर्चा हर कना फैल गई। जे बि शुणताथ हैरान भोई घेन्ताथ। धरमध्वज तेस हमेशा शोलोयार रखताथ। तेन राणी सेवा करण जे सुआ नौखरणी रख छेई ताकि तेस कोई बि कम न करुण पड़ियल। तेन्हि नौखरणी बचा यक नौखरणी ईं थी जे केसे बि भिखेरि दुखि हेर कइ तेन्के धे किछ देणे बगैर न बिश्तिथ। राणी नाजूक भूणे बजाई जोई ईं झिणे लांण पसन्द कतीत जे फियुड़ु केआं बि पोले भुन्तेथ। यक तोड़ा सुने बइ तेसे जिसमे सोब गेहणे बणो थिये। तोउं बि तेस से गरके लगतेथ। भिखरी पुठ दया करणेबाड़ी नौखरणी यक रोज यक गेहणा नी कइ बहरी निसी त बत यक भिखरी मेई गा। नौखरणी हथ अन्तर गेहणा हेर कइ से छनेअरे करण लगा, "मैं कुई ब्याह करणे लेएख भोई गो असी। मोउं केईं किछ धन दौलत नेई। छने एस गेहणे मेन्धे दे। तेस नौखरणी तेस पुठ दाह एई गई त तेन से गेहणा तेस भिखरी धे दी छड़ा त खाली हथि वापस एई गई। तेस खाली हथ वापस एण हेर कइ राणी सुआ लेहर एई गई त तेन नौखरणी नौखरी पुटा किढ़ छई।

केहि टेमी बाद यक खरा वैद तेस शेहर आ। राजे से अपु महल भिया त अपु राणी हराल कइ बोलु कि, "वेदराज! तुस इन्के नाजूके ईलाज करे। अउं तुन्धे मुँह मांगी धन दौलत देन्ता।

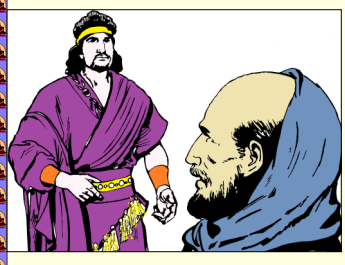

वैद राणी हेर कइ हसण लगा। तेस हसता हेर कइ राजा सुआ हैरान भोई गा। तेन वैद केआं पुछू, "तुस ईं हसण किस लगो असे?" "माफ करे, राजन! मोउं एन्के नाजुकता हेर कइ हसाण एई गो थी।" तेन वैदे जवाब दिता, "त कि तुस एन्के नाजूक भुणे ईलाज न कइ सकते ना?" राजे पुछू। "ना राजन! एन्के ईलाज करुण में बशे नेई।" इ बोल कइ वैद तठिया घेई गा।

# तुं जिभुड़ मुशाण धरो त नेई?

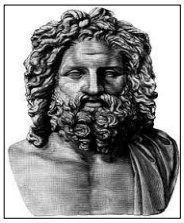

सक्रेटिस नउए यक बोडा विद्वान थिआ। यक रोज यक मेह्ण तस केईं एई कइ बोलुण लगा, "तोउ पता असा ना, तें मितर बारे मेईं आज की शुणो असु?" सक्रेटिसे बोलु, "ठेहर ठेहर! पेहले, अउं ई हेरुण चहान्ता कि तुं बोक में तालुण केआं निशियेल ना? छने, में टाई सवाले जवाब दिए।" तेन बोलु, "टाई सवाल!"

सक्रेटिसे बोलु, "हाँ जी! में मितरे बारे मोउं जे कुछ बताण केआं पेहला, शयद ए ठीक भुन्तु कि तुस अपु बोके बारे धिक सोचे। त पेहला सवाल ई असु कि जे तुस बोलुणे बाड़े असे, से की यकदम सच्च असु ना? तेन बोलु, "ना, मोउं पता नेई। मेईं त केस केईं शुणो थिउ।" त तेन बोलु, "अच्छा, त तुसी पता नेई कि जे तुस बताण चहन्ते, से सच्च असु बि कि नेई। चले! कोई नेई! दोकी सवाले जवाब दिए। जे तुस बताण चहन्ते से कि में मितरे भलाई बारे असा ना?" तेन बोलु, "ना, ए त तसे बुराई बारे असु।" सक्रेटिसे बोलु, "अच्छा, त जे तुस बताण चहन्ते, से ना त यकदम सच असु, होर ना में मितरे भलाई बारे असु। चले, यक होर सवाले जवाब दिए। में मितरे बारे जे तुस बताण चहन्ते, से में कुछ कम एन्ती ना?" तेन बोलु, "मोउं ना लगतु कि ए कोई खास कमे बोक असु।"

त सक्रेटिसे तस जे बोलु, "मितरा, जे बोक शयद सच्चु नेई, जे में मितरे भलाई बारे नेई होर ना में केस कमे असु, तस किस बताण चहन्ता। जे तुस शुणो असे, तस तुस अपफ केईं रखे।"

शयद असी सबी सक्रेटिसे बोक मनुण चहिए। केसे बारे चाथि करण या चाथि शुणुण केआं पेहले, इन्हि टाई सवाली के जवाब देण चहिए। हें बुछ केहि केहि ईं असे कि से चाथि करे बगैर रेही ना सकते। तेन्के बोक शुण कइ ईं लगतु शयद तेन्के जिभुड़ मुशाण धरो असा। से ना त अगर जे सोचते, होर ना पतूं जे। पर असी बोडे सावधानी जोई बोक विचार करण चहिए किस कि धरमे कताब अन्तर लिखो असु, "मेह्णु के हर यक बुरी बोकी के लेखा -जोखा न्याय करणे रोज परमेश्वर नेंता।"

## फलफलान्ती

अतु बोते बोते बैताल चुप भोई गा। फि तेन राजा विक्रमादित्य कियां पुछू, "बता विक्रम! वैदे ईलाज करण केआं ना किस किया त राणी अतो नाजूक किस थी? झठ जवाब दे न त अउं तें मगरी भन्न कइ टुकडू टुकडू कइ छता।" राजा विक्रमादित्य बोलु, "बेताल! से राणी नाजुक न थी, इस बझई जुओई वैदे ईलाज करुण केआं ना कइ छड़ा।" "से कीं?" बेताले पुछू। "शुण बेताला! जिसमे नरमियार केआं जदा मने नरमियार जरुरी असी। मतलब जिसम केआं जदा मन नाजुक भुन्ता। तेस राणी केआं जदा त तसे नौखरणी नाजुक थी जे भिखरी त दुखी मेह्णु के मदत कतीथ। तोउं त में विचार जुओई जपल कसेरी मने नाजुक न भोल त तसे जिसम कीं नाजुक भोई सकता। तोउं से राणी नाजुक न थी।" राजे जवाब दिता। "त फि केस बझई जुओई तसे जिसम अतो नाजुक थिया? झठ बोल ना त....।" "बेताला! से राणी नाजुकता न बल्कि से यक किसमे बीमारी थी जेसे बझई जुओई केसे बि रोशनी बेलि तसे जिसम पुठ अहरुण निस घेन्तीथ। एस जे आयुर्वेद अन्तर 'प्रकाशोन्मतता' बोते।" "तु सच्चे सुआ अक्लदार असा, विक्रम! पर मोउं कि करुण? तेईं बोलु अउं घेण लगो असा।" इ बोतेईं बेताल राजा विक्रमादित्य हथ अन्तरा निस कइ उडीर गा त तसे बुटे पुठ उमला लटकी गा। "बेताल! अउं तोउ न छता।" इ बोते बोते राजा विक्रमादित्य बि तसे पता पता वापस घेई गा।

# सेकुल

असा हें सोभी कियां ट्यारा,
एसे बोली भुतां हें जीवन टगड़ा।
भ्यागे भुंती जिखेईं प्रार्थना,
मन अन्तर टागड़ियार ई भुंती।
तन मन जोई अस ध्यान लांते,
तेस कियां बाद अपु अपु कलास अन्तर घेंते।
मष्टरयाणी बोके लगती ती ट्यारी,
बोके कती से अब्बल अब्बल ज्ञाने बाड़ी।
मष्टर जी बी असे ती अब्बल,
सोभ जें कते तेंके ती ईजत।
सोभ गभुरू असे दोस्त हें,
दुर असे झगड़ीं कियां सोभ से।
सुआ मन जोई असु असी पढु,
देशे नउ करूण असु असी सुआ खड़िया।

लेखक विनोद कुमार

## *तुबारि* मासिक पत्रिका

♦अस इ उम्मीद करुं लगो असे कि एण बाड़े रोज अन्तर सुआ मेहणु इस कम अन्तर साथोट देन्ते।

♦इस *तुबारि* मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगी घाटि अन्तर पढ़ुं जे त भाषाई सुहलियत करण जे इ पत्रिका शुरु किओ असी।

♦*तुबारि* यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।

♦*तुबारि* पत्रिका कोई मेहणु, जनजाति, त संस्कृति गलती कढ़ेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोई ई सोचता बि त अस जिम्मेबार नेई।

♦छपाणे पेहले सोब आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेहणु हरालो असे। इ त खुली बोक असी कि पेहलि बार पांगवाड़ि लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ति त गलती बि भुन्ति। अगर कोई लिखणे गलती असी त असी जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।

♦आर्टिकल्स ना मिएल, या घाटि मेहणु के साथोट ना मिएल त *तुबारि* पत्रिका कदी बि बंद भुई सकती।

♦कोई चीज छपां असी या नेई छपां जे *तुबारि* संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।

♦अस किलाड़ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार हरिराम लाले दुकान अन्तर *तुबारि* ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सझाव ओर अर्टिक्लस रखुं जे सुविधा किओ असी।

♦अस सोबी पांगी मेहणु जे हात जोड़ कइ अनुरोध कते कि, तुस बि कोई अछा अर्टिक्ल, पुराणि या नोई कथा, कहावत, कविता, त नोई घीत (पागवाड़ी अन्तर) लिख कइ छपां जे हँघे दिए।

*तुबारि* संपादकीय टीम

- 9418429574
- 9418329200
- 9418411199
- 9418904168
- 9459828290

## लखे टके बोक

किलाड़ स्कुले गभुरु जे अउं अपु कनरा धन्यवाद कता, किस कि हें ग्रां पतुं पिकनीक करण जे एन्ते त से जगाह मशहूर करण लगो असे। त से साफ सफेई ती ध्यान रखण लगो असे। पेरू तेन्ही हें तेठि सुआ गन्द करो थिआ। एउंशु मेईं हेरू कि तेन्हि कुछ गन्द नेओथ करो। अस चहांते हें सोभ गभुर हें तेस जगाही एईए त अपु मन खुश रखे। धन्यवाद कते सोबी गुरुजी त गभुर के कि से हें इस पेईए साफ रखण अन्तर अपु हाथ लाण लगो असे त धन्यवाद कता अउं अपु ग्रां गभुरु के जेन्हि अपु बत साफ रखो असी।

## हें पता:

**तुबारि पत्रिका**
हरी जरनल स्टोर,
किलाड़ बजार,
त: पांगी घाटि,
जिला: चंबा, हि. प्र.
हिमाचल प्रदेश।
पिन. 176323

**तुबारि पत्रिके** अन्तर छपो सोबी लेख, त कथा अन्तर भुओ विचार सिर्फ लेखके भो। तुबारि पत्रिके एसे कोई जिम्मेबारी नेई। तुबारि पत्रिका सिर्फ भाषा सुहलियत करण जे यक मंच देण लगो असी।

## चुटकले

1. शालू मालाई केआं पुछू, - तु जाणती ना कि कार चलाण शिच कइ अउं सोबी केआं पेहले को घेन्ती? मालाई जवाब दिता - हस्पताड़।

2. पिंकी अपु बोउ जे - बोउआ! अब अस झठ अमीर बण घेन्ते।
बोउ - से कीं
पिंकी- शुई हें हिसाबे मास्टर जी पैसी केआं रुपेई बणाण शिचालता।

3. मास्टर --गभुरो, छतरी बणाण लिए की की समान लोता?
गभुरु - "जी कागज त पैंसल।"